M.A. (Two Years Degree Program)	
First Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	HIN8000T
Title of the Course	**हिंदी साहित्य का इतिहास (प्राचीन एवं मध्यकाल)**
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6
Credit of the course	4
Type of the course	Discipline Centric Compulsory (DCC) Course in Hindi
Delivery type of the Course	Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)
Prerequisites	B.A.
Co-requisites	None
Objectives of the course	1.हिंदी की आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना। 2.तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना। 3.पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।
Learning outcomes	1.भक्ति कालीन कवियों द्वारा रचित कविताओं में भक्ति और दार्शनिक चेतना का विकास हुआ। 2. सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्य विकसित हुए। 3. भक्ति आंदोलन की अवधारणा, भाषिक शब्दावली और विचारों पर चिंतन, संतवाणी तथा उनके उपदेशों से आध्यात्मिक चेतना और मानसिक विरेचन हुआ।
Syllabus	
UNIT-I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण। आदिकाल की पृष्ठभूमि, काव्य धाराएँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, लौकिक एवं गद्य साहित्य, आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ। **(12 Hours)**
UNIT -II	भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन के उदय के कारण, विभिन्न काव्य धाराएँ और उनका वैशिष्ट्य, निर्गुण-सगुण में साम्य-वैषम्य। भक्ति आंदोलन का महत्त्व, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य। **(12 Hours)**

UNIT-III	निर्गुण भक्ति-वैचारिक आधार, प्रमुख संत कवि-कबीर, नानक, दादू, रैदास एवं निर्गुण काव्य की विशेषताएँ। भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ। **(12 Hours)**
UNIT-IV	सगुण भक्ति-सगुण भक्ति काव्य की विशेषताएँ, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, राम काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ। कृष्ण काव्य- अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय, प्रमुख कवि- सूरदास, मीरा, रसखान, प्रमुख सम्प्रदाय, प्रवृत्तियाँ। **(12 Hours)**
UNIT-V	रीतिकाल- पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, प्रवृत्तियाँ, रीति ग्रंथों की परम्परा। रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कवि और उनका काव्य, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ, मध्यकालीन काव्य में मुसलमान कवियों का योगदान। **(12 Hours)**
Text Books	
Reference Books	1. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य: स्वरूप एवं संवेदना, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 2. रामविलास शर्मा : परम्परा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. लक्ष्मीलाल वैरागी : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास, संघी प्रकाशन, जयपुर। 4. विश्वनाथ त्रिपाठी : हिंदी साहित्य का इतिहास: सामान्य परिचय, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली। 5. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 6. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
Suggested E-resources	http://sahityabhawanpublications.com http://kavitakosh.org http://www.hindikavykosh.in